अनुरोध है कि चूँकि यह राज्यों की वित्त स्थिति का मसला है, इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है और लीडर ऑफ दि हाउस से अनुरोध है कि माननीय वित्त मंत्री जी के द्वारा, चूँकि कल सेशन का आखिरी दिन है, इसलिए कल ही जीएसटी के अनुदान को कब और कितना देंगे, उसके बारे में स्टेटमेंट आना चाहिए, धन्यवाद।

श्री सभापति: धन्यवाद। Appropriation Bill भी है, मेरे ख्याल से हो सकता है।

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, this is a very important issue.

MR. CHAIRMAN: That is why I allowed it.

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, they have not been paid for four months. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: No, no; please.

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

DR. BANDA PRAKASH (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUBHASISH CHAKRABORTY (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI NARAIN DASS GUPTA (NCT of Delhi): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need for conservation and promotion of the Bateshwar Temple Complex in Madhya Pradesh

श्री शिव प्रताप शुक्ल (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, हमारे देश में सांस्कृतिक धरोहर के रूप में अनेक मंदिर और इमारतें हैं। ये कोई एक जगह नहीं हैं, बल्कि पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, हर जगह हैं। ऐसे मंदिरों की संरक्षण की हमें अत्यंत आवश्यकता है और मैं समझता

हूँ कि इनको चिन्हित करके, अगर टूरिज्म की दृष्टि से ध्यान दिया जाए और Incredible India की तरह भारतीय दूतावासों में भी किया जाए, तो निश्चित रूप से भारत का टूरिज्म भी बढ़ेगा और हमारी जो स्थापत्य कला है, उसका विकास भी होगा।

मान्यवर, अभी कुछ दिनों पहले ही मध्य प्रदेश में मुरैना के पास बटेश्वर है, इसका सौभाग्य यह है कि यह भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म स्थान भी है, वहाँ लगभग 25 एकड़ में दो सौ मंदिरों का समूह, जिसको श्री के. के. मोहम्मद, जो इस देश के अत्यंत प्रतिभावान हिस्टोरियन रहे, जिनको इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि वे अयोध्या में मंदिर की स्थापत्य को बताएं और उन्होंने बताया था, उन्होंने इसकी खोज की थी। खोज करने के बाद यह पाया कि इसको निश्चित रूप से विकसित किया जाना चाहिए। उन्हीं में से एक 64 योगिनी मंदिर है, जिसकी स्थापत्य कला को देखें, वहाँ कोई भी जाए, तो देखेगा कि जैसा भारतीय संसद का भवन है, ठीक उसी तरह का उसका भी भवन है। मुझे लगता है कि शायद वहाँ कोई गया हो और उसको देखने के बाद ही ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती विप्लव ठाकुर: हो सकता नहीं है, बल्कि वहीं से लिया गया।

श्री शिव प्रताप शुक्ल: यह और अच्छी बात है कि लिया गया। भारतीय संसद के इस भवन को भी लिया गया। इस संसद के भवन को सुरक्षित रखा गया, लेकिन 64 योगिनी मंदिर का वह भवन आज पूरे तौर पर केवल अव्यवस्था के नाते ढह रहा है। मुझे लगता है कि निश्चित रूप से भारत सरकार को, पुरातत्व विभाग को इस पर ध्यान देना चाहिए। वर्ष 2005 में वहाँ 80 मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया। अभी तक वह काम अधूरा है, इस पर ध्यान दिया। इन सबकी जानकारी लेकर Incredible India के तहत प्रचार-प्रसार किया जाए और भारत के tourism को बढ़ाया जाए।

कुमारी शैलजा (हरियाणा): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

श्री नारायण दास गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती सम्पतिया उइके (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

MR. CHAIRMAN: Shri Akhilesh Prasad Singh; not present. Shri Surendra Singh Nagar; not present. Shri T.G. Venkatesh.